19/428

M.A. (Previous) Examination, 2019

HINDI

Fifth (घ) Paper

(रचनाकारों का विशेष अध्ययन)

(जयशंकर प्रसाद)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

निर्देश : सभी खण्डों से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – अ

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट: इस प्रश्न के सभी भागों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग का उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग 02 अंकों का 2x10= 20

1. (i) 'आँसू' किस प्रकार की काव्य रचना है?

(ii) 'स्कंदगुप्त' नाटक में कितने अंक हैं?

(iii) छायावाद की तीन प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

(iv) श्रद्धा और इड़ा किसके प्रतीक हैं?

(v) 'कामायनी' के तृतीय एवं चतुर्थ सर्ग का नामोल्लेख कीजिए।

(vi) 'स्कन्दगुप्त' नाटक के किन्हीं तीन प्रमुख पात्रों का नाम लिखिए।

(vii) प्रसाद के नाटकों का स्वरूप क्या है?

(viii) दुःख की पिछली रजनी बीच, विकसता सुख का नवल प्रभात ये पंक्तियाँ प्रसाद जी के किस काव्यग्रंथ की हैं?

(ix) "आँसू' काव्य में किस रस की प्रधानता है?

(x) प्रसाद के किन्हीं चार काव्य ग्रंथों का नामोल्लेख कीजिए।

खण्ड–ब

(व्याख्या एवं लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 (दो सौ) शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 (दस) अंकों का है। 10x5= 50 2. निम्नलिखित अवतरण की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

जो घनीभूत पीड़ा थी मस्तक में स्मृति–सी छायी दुर्दिन में आँसू बनकर वह आज बरसने को आयी।

अथवा

बीती विभावरी जाग री अम्बर पनघट में डुबो रही ताराघट ऊषा नागरी खग–कुल कुल–कुल सा बोल रहा किसलय का अंचल डोल रहा लो यह लतिका भी भर लाई मधु मुकुल नवल रस गागरी।

3. निम्नलिखित अवतरण की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

सिंधु सेज पर धरा बधू अब तनिक संकुचित बैठी सी: प्रलय निशा की हलचल स्मृति सी मान किये सी ऐठी सी।

अथवा

शिशिर कणों से लदी हुई, कमली के भीगे हैं सब तार | चलता है पश्चिम का मारूत, लेकर शीतलता का भार || भीग रहा रजनी का वह, सुन्दर कोमल कवरी भार । अरूण किरण सम कर से छूलो, खोलो प्रियतम खोलो द्वार ।।

4. निम्नलिखित अवतरण की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

अधिकार सुख कितना मादक और सारहीन है। अपने को नियामक और कर्ता समझने की बलवती स्पृहा उससे बेगार कराती है। उत्सवों में परिचारक और अस्त्रों में ढाल से भी अधिकार लोलुप मनुष्य क्या अच्छे हैं।

अथवा

शीतल वाणी–मधुर व्यवहार से क्या बन्य–पशु भी बश में नहीं हो जाते। राजन, संसार भर के उपद्रवों का मूल व्यंग है। हृदय में जितना यह घुसता है, उतनी कटार नहीं। वाक्–संयम विश्व मैत्री की पहली सीढ़ी है। अस्तु अब मैं तुमसे एक काम की बात कहना चाहता हूँ। क्या तुम मानोगे?

5. कामायनी का प्रतिपाद्य क्या है, विवेचना कीजिए।

अथवा

नाटकीय तत्त्वों के आधार पर 'अजातशत्रु' की समीक्षा कीजिए

6. 'स्कन्दगुप्त' नाटक की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'आशा सर्ग' के कथानक पर प्रकाश डालिए।

खण्ड – स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट: किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का हैं। 15x2= 30

7. विरह काव्य की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए 'आँसू' का मूल्यांकन कीजिए।

8. 'अजातशत्रु' नाटक के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

9. प्रसाद जी छायावाद के प्रतिनिधि कवि हैं। इस कथन की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

10. "लहर' अथवा 'झरना' का काव्य सौंदर्य निरूपित कीजिए।

11. 'स्कन्दगुप्त' नाटक के मुख्य पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए।